नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र 2023-24 से पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित किया गया है। यह संजीव बुक्स पूर्णतः नवीन पुनर्संयोजित पाठ्यपुस्तकों पर आधारित है।

नं. 1

संजीव® बुक्स

समाजशास्त्र-XII

भारतीय समाज
एवं
भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास

(कक्षा 12 के कला वर्ग के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2024 का प्रश्न-पत्र
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2025

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 360/-

- प्रकाशक :

  संजीव प्रकाशन

  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

  जयपुर-3

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 360.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

  पंजाबी प्रेस, जयपुर

  *****

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं–

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

भारतीय समाज (भाग-1)

1. भारतीय समाज : एक परिचय 1–5
2. भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना 6–35
3. सामाजिक संस्थाएँ : निरन्तरता एवं परिवर्तन 36–61
4. बाजार एक सामाजिक संस्था के रूप में 62–83
5. सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप 84–115
6. सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियाँ 116–144
7. परियोजना कार्य के लिए सुझाव 145–155

भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास (भाग-2)

1. संरचनात्मक परिवर्तन 156–176
2. सांस्कृतिक परिवर्तन 177–198
3. संविधान एवं सामाजिक परिवर्तन 199–212
4. ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन 213–231
5. औद्योगिक समाज में परिवर्तन और विकास 232–249
6. भूमण्डलीकरण और सामाजिक परिवर्तन 250–274
7. जनसम्पर्क साधन और जनसंचार 275–303
8. सामाजिक आन्दोलन 304–328

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024

समाजशास्त्र
(Sociology)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :
General Instructions to the Examinees :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।
6. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
7. प्रश्न क्रमांक 16 से 22 में आन्तरिक विकल्प हैं।

खण्ड-अ (Section-A)

1. बहुविकल्पी प्रश्न (i से xv) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चुनकर उत्तर पुस्तिका में लिखिए।

Choose the correct answer from multiple choice questions (i to xv) and write in given answer book.

(i) देश के किस राज्य में बाल लिंगानुपात सबसे कम है (आधार वर्ष 2011)? **[1]**
(अ) पंजाब (ब) हरियाणा
(स) राजस्थान (द) बिहार

(ii) भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में अस्पृश्यता का उन्मूलन किया गया है? **[1]**
(अ) अनु.-14 (ब) अनु.-15
(स) अनु.-16 (द) अनु.-17

(iii) भारत में सूचना का अधिकार अधिनियम कब लागू हुआ? **[1]**
(अ) सन् 1951 (ब) सन् 2001
(स) सन् 2005 (द) सन् 2006

(iv) औद्योगिक क्षरण क्या था? **[1]**
(अ) परम्परागत उद्योग धन्धों का पतन (ब) उत्पादन व निर्यात में गिरावट/कमी
(स) प्राचीन व्यापारिक नगरों का महत्त्व कम होना (द) उपर्युक्त सभी

(v) औपनिवेशिक भारत में 'मैनचेस्टर प्रतियोगिता' क्या थीं? **[1]**
(अ) भारतीय रेशम व कपास के उत्पादन व निर्यात में कमी (ब) शतरंज प्रतियोगिता
(स) क्रिकेट प्रतियोगिता (द) इनमें से कोई नहीं

(vi) भारत में 'ब्रिटिश औद्योगीकरण' के प्रारम्भिक समय में लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा? **[1]**
(अ) खेती को बढ़ावा मिला (ब) खेती पर दबाव बढ़ा
(स) भारतीय व्यापार को बढ़ावा मिला (द) उपर्युक्त सभी

(vii) 'आजादी के बाद नगरीकरण का प्रभाव भारतीय गाँवों पर भी पड़ा' ये मत किसका है? **[1]**
(अ) रिजले (ब) अगस्त कॉम्ट
(स) इरावती कर्वे (द) एम.एस.ए. राव

(viii) औपनिवेशिक भारत कौन-कौनसी कुरीतियों से ग्रसित था? **[1]**
(अ) सती प्रथा (ब) बाल-विवाह
(स) पर्दा प्रथा (द) उपर्युक्त सभी

(ix) आधुनिकता वह है जिसमें— [1]
(अ) संकीर्ण विचारों के स्थान पर सार्वभौमिक दृष्टिकोण को महत्त्व
(ब) भावनाओं, परम्पराओं के स्थान पर विज्ञान को महत्त्व
(स) जन्म के स्थान पर योग्यता को महत्त्व (द) उपर्युक्त सभी

(x) 'कास्ट एण्ड मॉडर्न पॉलिटिक्स' पुस्तक के लेखक कौन हैं? [1]
(अ) श्रीनिवास (ब) घुर्ये
(स) रजनी कोठारी (द) दीपांकर गुप्ता

(xi) 'द आर्गुमेंटेटिव इंडियन' पुस्तक के लेखक कौन हैं? [1]
(अ) अमर्त्य सेन (ब) नौरोजी
(स) महात्मा गाँधी (द) ए.आर. देसाई

(xii) एम.एन. श्रीनिवास के अनुसार राजस्थान की 'प्रबल जाति' का उदाहरण है? [1]
(अ) गुर्जर-मीणा (ब) जाट-राजपूत
(स) अहीर-मेव (द) कामा-रेड्डी

(xiii) विनिवेश से सरकारी कर्मचारियों को क्या भय रहता है? [1]
(अ) अधिक कार्य करने का (ब) नौकरी खोने का
(स) वेतन बढ़ने का (द) परिवार टूटने का

(xiv) किस फिल्म में रेडियो जॉकी (नायिका) का उद्‌बोधन 'गुड मॉर्निंग इण्डिया' होता है? [1]
(अ) शोले (ब) बाहुबली
(स) लगे रहो मुन्नाभाई (द) सौदागर

(xv) 'सिविल सोसायटी एण्ड सोशल मूवमेंट्स' पुस्तक के लेखक कौन हैं? [1]
(अ) टी.के. ओमेन (ब) घनश्याम शाह
(स) मैत्रेयी चौधरी (द) नाँगबरी टिपलुट

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—
Fill in the blanks—

(i) जिस परिवार में माता-पिता व उनके बच्चे रहते हैं ..... परिवार कहलाता है। [1]
The family in which parents and their children live is called a ..... family.

(ii) भारतीय संस्कृति में विविधता में ..... पायी जाती है। [1]
..... is found in diversity in Indian culture.

(iii) भारत की कुल जनसंख्या में जैन धर्म की संख्या ..... प्रतिशत है। [1]
Jainism accounts for ..... percentage of the total population of India.

(iv) ब्रिटानी उपनिवेशवाद ..... व्यवस्था पर आधारित था। [1]
British colonialism was based on ..... system.

(v) राजा राम मोहन रॉय ने ..... प्रथा का विरोध किया। [1]
Raja Ram Mohan Roy opposed the practice of ..... .

(vi) कानून का सार इसकी ..... है। [1]
The essence of law is its ..... .

(vii) भारत का सबसे पुराना उद्योग ..... उद्योग है। [1]
The oldest industry in India is ..... industry.

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—
Very Short Answer Questions—
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए—
Give the answer of following questions in one line—

(i) शिशु मृत्यु दर से क्या तात्पर्य है? [1]
What is meant by infant mortality rate?

(ii) जनसांख्यिकी लाभांश कब उत्पन्न होता है? [1]
Who does demographic dividend arise?

(iii) सबके लिए 'एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर' का नारा किसने दिया? **[1]**
Who gave the slogan of "One Caste, One Religion, One God for all men"?

(iv) 'अन्य पिछड़ा वर्ग' के लिए बनाए गए दो आयोगों के नाम लिखिए। **[½+½=1]**
Write the name of two commissions created for 'Other Backward Classes'.

(v) राष्ट्र के निर्माण में सहायक तत्वों के नाम लिखिए। **[1]**
Write the name of the elements helpful in nation building.

(vi) न्याय का सार क्या है? **[1]**
What is the essence of justice?

(vii) स्थानीय सरकार की अवधारणा किस नेता को प्रिय थी? **[1]**
Which leader liked the concept of local government?

(viii) रैयतवाड़ी व्यवस्था में 'रैयत' का क्या अर्थ है? **[1]**
What is the meaning of ryot in ryotwari system?

(ix) 'तालाबंदी' से क्या तात्पर्य है? **[1]**
What is meant by lockout?

(x) संस्कृति के दो रूप लिखिए। **[½+½=1]**
Write two forms of culture.

खण्ड-ब (Section-B)

लघूत्तरीय प्रश्न—
Short Answer Questions—

4. राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 के कोई दो उद्देश्य लिखिए। **[1+1=2]**
Write any two objectives of 'National Health Policy 2017'.

5. वर्ण तथा जाति में कोई दो अन्तर बताइए। **[1+1=2]**
Mention any two differences between varna and caste.

6. संयुक्त परिवार की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। **[1+1=2]**
Write any two characteristics of joint family.

7. पूँजीवाद के कोई दो लक्षण बताइए। **[1+1=2]**
Mention any two characteristics of capitalism.

8. आत्मसात्करण व एकीकरण की नीति में अन्तर लिखिए। **[2]**
Write the difference between policy of integrationist and assimilationist.

9. संस्कृतिकरण की दो आलोचनाएँ लिखिए। **[1+1=2]**
Write two criticisms of Sanskritisation.

10. संविधान के अनु. 21 के बारे में बताइए। **[2]**
Mention about Article 21 of the Constitution.

11. कृषि प्रधान देश भारत में उदारीकरण व निजीकरण के दो दुष्प्रभाव लिखिए। **[1+1=2]**
Write two side effects of liberalization and privatisation in India as agricultural country.

12. हड़ताल व तालाबंदी में अन्तर स्पष्ट कीजिए। **[1+1=2]**
Explain the difference between strike and lockout.

13. भूमण्डलीकरण के परिणामस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था व संस्कृति में आने वाले कोई दो सामान्य परिवर्तन लिखिए। **[1+1=2]**
Write any two general changes in Indian economy and culture as a result of globalization.

14. सोप ओपेरा किसे कहते हैं? **[2]**
What is soap opera called?

15. सामाजिक आन्दोलन किसे कहते हैं? क्या संस्कृतिकरण सामाजिक आन्दोलन का उदाहरण है? **[1+1=2]**
What is called social movement? Is Sanskritisation an example of social movement?

खण्ड-स (Section-C)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न—
Long Answer Questions—

16. भारत में स्त्री-पुरुष अनुपात (लिंगानुपात) में गिरावट के मौलिक कारण समझाइए। **[3]**

Explain the fundamental reasons for the decline in the sex-ratio in India.

अथवा/OR

बाल लिंगानुपात (0-6 वर्ष) में गिरावट के मूल कारणों पर प्रकाश डालिए। **[3]**

Highlight on the main causes of decline in child sex ratio (0-6 years).

17. भूमण्डलीकरण ने राजनीति को किस प्रकार प्रभावित किया है? संक्षिप्त वर्णन कीजिए। **[3]**

How has globalisation affected politics? Describe briefly.

अथवा/OR

इलेक्ट्रॉनिक अर्थव्यवस्था से क्या तात्पर्य है? समझाइए। **[3]**

What is meant by electronic economy? Explain.

18. भारत में टेलीविजन के विकास पर (1959 से 1990 तक) संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। **[3]**

Write a short note on the development of television (from 1959 to 1990) in India.

अथवा/OR

उदारीकरण के बाद भारत में एफ.एम. रेडियो स्टेशनों के बारे में सारगर्भित वर्णन कीजिए। **[3]**

Briefly describe about the F.M. Radio stations in India after liberalisation.

19. सामाजिक आन्दोलन की कोई छह विशेषताएँ लिखिए। **[6×½=3]**

Write any six characteristics of social movement.

अथवा/OR

पारिस्थितिकीय आन्दोलन का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। **[3]**

Briefly describe about ecological movement.

खण्ड-द (Section-D)

निबन्धात्मक प्रश्न (200 शब्द)—

Essay Type Questions (200 words)—

20. उपनिवेशवाद व नए बाजारों के आविर्भाव से आप क्या समझते हैं? **[4]**

What do you understand by colonialism and the emergence of new markets?

अथवा/OR

उदारीकरण से क्या तात्पर्य है? इसके सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डालिए। **[1+1½+1½=4]**

What is meant by liberalization? Highlight on its positive and negative effects.

21. सामाजिक विषमता क्या है? विषमता पर आधारित सामाजिक स्तरीकरण की व्याख्या करने वाले तीन सिद्धान्त लिखिए। **[1+3=4]**

What is social inequality? Write three theories that explain social stratification based on inequality.

अथवा/OR

पूर्वाग्रह किसे कहते हैं? औपनिवेशिक उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। **[1+3=4]**

What is prejudice? Describe with colonial example.

22. हरित क्रान्ति के सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों की चर्चा कीजिए। **[2+2=4]**

Discuss the positive and negative effects of Green Revolution.

अथवा/OR

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद ग्रामीण समाज में हुए परिवर्तनों का सार रूप में उल्लेख कीजिए। **[4]**

Briefly mention the changes that took place in the rural society after independence.

समाजशास्त्र-XII (भाग-1)
भारतीय समाज
1. भारतीय समाज : एक परिचय

पाठ का सार

समाजशास्त्र का परिचय–समाजशास्त्र अन्य सभी विषयों से अलग है। इसका ज्ञान औपचारिक और अनौपचारिक रूप से प्राप्त हो जाता है। अन्य विषयों की भाँति इसे पढ़ाने की प्रायः आवश्यकता नहीं होती है। इसका ज्ञान स्वाभाविक या अपने आप प्राप्त किया सा प्रतीत होता है। अन्य समाज विज्ञानों को जहाँ बालक को पढ़ाने की आवश्यकता होती है वहीं एक बालक समाज और सामाजिक सम्बन्धों के बारे में बिना पढ़े ही बहुत कुछ जानता है।

समाजशास्त्र के बारे में ज्ञान–समाजशास्त्र के बारे में पूर्व में ही ज्ञान प्राप्त रहता है। इस प्रकार का सहज ज्ञान या सहज बोध समाजशास्त्र के लिए बाधक और सहायक दोनों ही हैं। सहायक इसलिए क्योंकि छात्रों को इसकी विषयवस्तु के बारे में पहले से ही बहुत कुछ पता होता है और बाधक इसलिए क्योंकि समाजशास्त्र समाज के व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित होता है। इस प्रकार की अध्ययन प्रक्रिया को सीखने-समझने के लिए अनिवार्य है कि हम अपने 'सहज बोध' को भूलने या मिटा देने की भरपूर कोशिश करें। समाजशास्त्र के ज्ञान के लिए अपनी पूर्व अवधारणाओं को उधेड़ना अर्थात् मिटा देना पड़ता है।

समाजशास्त्र को सीखने का प्रारम्भिक चरण–इसमें प्रायः भूलने की प्रक्रियाओं को शामिल किया जाता है, क्योंकि समाज के बारे में यह सहज बोध विशिष्ट दृष्टिकोणों से प्राप्त किया हुआ होता है। समाज, सामाजिक सम्बन्ध के बारे में हमारे मत, आस्थायें गलत भी हो सकती हैं। समाज के बारे में हमारा सीखा हुआ ज्ञान एकपक्षीय होता है जो कि प्रायः हमारे सामाजिक समूह और हितों के प्रति झुका हुआ होता है।

समाजशास्त्र एक विस्तृत समाज विज्ञान–समाजशास्त्र सोचने की और दृष्टि को विकसित करने की क्षमता को विकसित करता है। यह समाज में व्यक्ति की स्थिति, सामाजिक संस्थाओं से व्यक्ति के सम्बन्धों तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं और समूहों से व्यक्ति को परिचित करवाता है। यह विभिन्न सामाजिक समस्याओं के कारण और प्रभावों से परिचित करवाता है। समाजशास्त्र आपको यह दिखा सकता है कि दूसरे आपको किस तरह देखते हैं; आपको यह सिखा सकता है कि आप 'स्वयं' को बाहर से कैसे देख सकते हैं। **सी. राईट मिल्स** के अनुसार, 'व्यक्तिगत परेशानियों' एवं 'सामाजिक मुद्दों' के बीच की कड़ियों एवं सम्बन्धों को उजागर करने में मदद कर सकता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. समाजशास्त्र अन्य सभी विषयों से पृथक् है, क्योंकि–
   (क) सभी को समाज के बारे में पहले से कुछ न कुछ ज्ञात होता है।
   (ख) समाज के बारे में सभी को ज्ञान नहीं होता है।
   (ग) समाज के बारे में घर-विद्यालय में बताया जाता है।
   (घ) समाज के बारे में कुछ भी पता नहीं होता है।

2. समाजशास्त्र को सीखने से पहले आवश्यक है–
   (क) समाज के बारे में धारणायें बनाना।
   (ख) समाज के बारे में अपनी पूर्व धारणाओं को उधेड़ना।
   (ग) समाज के बारे में आधारभूत ज्ञान प्राप्त करना।
   (घ) सामाजिक समस्याओं का अध्ययन करना।
3. समाजशास्त्र के प्रारम्भिक चरण में शामिल किया जाता है–
   (क) ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया (ख) भूलने की प्रक्रिया
   (ग) जानने की प्रक्रिया (घ) वैज्ञानिक अध्ययन की प्रक्रिया
4. छात्रों को समाजशास्त्र आसान लगता है क्योंकि–
   (क) इसकी विषयवस्तु के बारे में उन्हें पहले से पता होता है।
   (ख) यह एक ऐसा विषय है जिसके बारे में शून्य से शुरुआत की जाती है।
   (ग) इस विषय का ज्ञान औपचारिक तरह से मिल जाता है।
   (घ) उपर्युक्त सभी।
5. समाजशास्त्र समाज के किस अध्ययन पर आधारित है?
   (क) ऐतिहासिक व भौगोलिक (ख) व्यवस्थित व वैज्ञानिक
   (ग) ऐतिहासिक व वैज्ञानिक (घ) व्यवस्थित व भौगोलिक
6. सत्रह या अठारह वर्ष की आयु वाले सामाजिक समूह को क्या कहा जाता है?
   (क) नवजात पीढ़ी (ख) युवा पीढ़ी
   (ग) वृद्ध पीढ़ी (घ) उपर्युक्त सभी
7. समाजशास्त्र आपको यह सिखा सकता है कि आप स्वयं को बाहर से कैसे देख सकते हैं, इसे कहा जाता है–
   (क) आत्मवाचन (ख) आत्म-मुग्धता
   (ग) पर-निरीक्षण (घ) पर-मुग्धता

उत्तर-तालिका

1. (क)	2. (ख)	3. (ख)	4. (क)	5. (ख)	6. (ख)	7. (क)		

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. ..... द्वारा प्राप्त किया गया ज्ञान समाजशास्त्र के लिए एक बाधा या समस्या है।
2. समाजशास्त्र समाज के ..... व ..... अध्ययन पर आधारित है।
3. हमारे सामाजिक संदर्भ समाज एवं सामाजिक सम्बन्धों के बारे में हमारे ....., आस्थाओं एवं ..... को आकार देते हैं।
4. ..... एक प्रसिद्ध अमेरिकी समाजशास्त्री हैं।
5. व्यक्तिगत परेशानियों का आशय विभिन्न प्रकार की व्यक्तिगत चिन्ताएँ, ... या सरोकार से है जो सबके होते हैं।

उत्तरमाला–1. सहजबोध 2. व्यवस्थित, वैज्ञानिक 3. मतों, अपेक्षाओं 4. सी. राईट मिल्स 5. समस्याएँ।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 1. अन्य विषयों की अपेक्षा समाजशास्त्र अलग विषय क्यों है?

उत्तर–क्योंकि समाज के बारे में हमें बिना पढ़े ही कुछ न कुछ पता होता है।

प्रश्न 2. समाज के बारे में हमारा ज्ञान 'स्वाभाविक' और 'अपने आप' प्राप्त किया क्यों प्रतीत होता है?

उत्तर–क्योंकि यह हमारे बड़े होने की प्रक्रिया का एक महत्त्वपूर्ण अभिन्न हिस्सा होता है।

प्रश्न 3. 'पहले से ही' अथवा 'अपने आप' प्राप्त किया गया सहज-ज्ञान या सहज-बोध समाजशास्त्र के लिए बाधक क्यों है?

उत्तर–क्योंकि पहले से ही प्राप्त सहज ज्ञान पूर्व धारणाएँ लिए हुए होता है।

प्रश्न 4. समाजशास्त्र की अध्ययन प्रक्रिया को सीखने-समझने के लिए क्या अनिवार्य है?

उत्तर–हमें अपने सहज बोध को 'मिटा देने' की कोशिश करना।

प्रश्न 5. समाज के बारे में हमारे पूर्व ज्ञान की सबसे बड़ी कमी क्या होती है?

उत्तर–हमारा पूर्व ज्ञान पूर्वाग्रह से युक्त एकपक्षीय होता है।

प्रश्न 6. समाजशास्त्र में स्वनिरीक्षण कैसे किया जाना चाहिये?

उत्तर–यह स्वनिरीक्षण आलोचनात्मक होना चाहिये। इसमें समीक्षा अधिक और आत्ममुग्धता कम होनी चाहिए।

प्रश्न 7. एक तुलनात्मक सामाजिक नक्शा हमारे लिए किस प्रकार से उपयोगी होता है?

उत्तर–एक तुलनात्मक सामाजिक नक्शा हमें समाज में हमारे निर्धारित स्थान के बारे में बता सकता है।

प्रश्न 8. हमारे मतों, आस्थाओं एवं अपेक्षाओं को आकार देने में किन बातों का योगदान होता है?

उत्तर–हमारे सामाजिक सन्दर्भ, समाज एवं सामाजिक सम्बन्धों के बारे में हमारे मतों, आस्थाओं और अपेक्षाओं को आकार देते हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न I–

प्रश्न 1. आस्थाओं पर विश्वास करने में क्या कठिनाई है?

उत्तर–आस्थाएँ अक्सर अपूर्ण एवं पूर्वाग्रहपूर्ण होती हैं। अत: हमारा 'बिना सीखा गया' ज्ञान या सहज सामान्य बोध अक्सर हमें सामाजिक वास्तविकता का केवल एक हिस्सा ही दिखलाता है। इसके अतिरिक्त यह सामान्यत: हमारे अपने सामाजिक समूह के हितों एवं मतों की तरफ झुका हुआ होता है।

प्रश्न 2. आत्मवाचक से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर–दूसरे आपको किस तरह देखते हैं अथवा आप स्वयं को 'बाहर से' कैसे देख सकते हैं, इसे स्ववाचक या कभी-कभी आत्मवाचक कहा जाता है। यह अपने बारे में सोचने, अपनी दृष्टि को लगातार अपनी तरफ घुमाने की आलोचनात्मक क्षमता है।

प्रश्न 3. समाजशास्त्र के अध्ययन का महत्त्व बताइए।

उत्तर–समाजशास्त्र समाज में हमारा स्थान निर्धारित करने में सहयोग करने, सामाजिक समूहों के स्थानों को निर्धारित करने के अलावा हमें व्यक्तिगत परेशानियों एवं सामाजिक मुद्दों के बीच की कड़ियों को उजागर करने में सहायक होता है।

प्रश्न 4. समाजशास्त्र के सन्दर्भ में प्रसिद्ध समाजशास्त्री सी. राईट मिल्स का क्या कथन है?

उत्तर–सी. राईट मिल्स का कथन है कि समाजशास्त्र आपकी 'व्यक्तिगत परेशानियों' एवं 'सामाजिक मुद्दों' के बीच की कड़ियों एवं सम्बन्धों को उजागर करने में मदद कर सकता है।

प्रश्न 5. व्यक्तिगत परेशानियों से मिल्स का क्या तात्पर्य है?

उत्तर–व्यक्तिगत परेशानियों से मिल्स का तात्पर्य है, विभिन्न प्रकार की व्यक्तिगत चिन्ताएँ, समस्याएँ या सरोकार जो सबके होते हैं।

प्रश्न 6. ''समाजशास्त्र अन्य सभी समाज विज्ञानों से अलग है।'' कैसे?

उत्तर–समाजशास्त्र अन्य सभी विषयों से पृथक् है क्योंकि इतिहास, भूगोल, मनोविज्ञान तथा अर्थशास्त्र इत्यादि विषयों के बारे में पहले से ज्ञान प्राप्त नहीं होता है, इनका ज्ञान हमें औपचारिक या अनौपचारिक, घर या अन्य सन्दर्भ में सिखाया-पढ़ाया जाता है। वास्तव में मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, इस नाते वह समाज के बारे में पहले से ही बहुत कुछ जानता है।

प्रश्न 7. ''पहले से ही प्राप्त सहज ज्ञान समाजशास्त्र के लिए बाधक भी है और सहायक भी।'' कैसे?

अथवा

''अपने आप प्राप्त किया हुआ सहजबोध समाजशास्त्र के लिए बाधक और सहायक दोनों है।'' कैसे?

उत्तर–पहले से ही प्राप्त सहज ज्ञान समाजशास्त्र के लिए सहायक इसलिए है क्योंकि इससे समाजशास्त्र विषय को लेते समय छात्र भयभीत नहीं होते हैं, क्योंकि इसकी विषयवस्तु के बारे में उन्हें पहले से ही बहुत कुछ पता होता है। परन्तु इसी सहजबोध के द्वारा प्राप्त ज्ञान समाजशास्त्र के लिए बाधक भी है क्योंकि समाजशास्त्र समाज के व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित है।

प्रश्न 8. समाजशास्त्र को सीखने का आरम्भ भूलने की प्रक्रिया से कैसे आरम्भ होता है?

अथवा

''समाजशास्त्र का प्रारम्भिक चरण भूलने की प्रक्रिया से आरम्भ होता है।'' कैसे?

उत्तर–समाजशास्त्र एक ऐसा विषय है जिसका आरम्भ भूलने की प्रक्रिया से आरम्भ होता है क्योंकि समाज के बारे में हमारा पूर्व ज्ञान अथवा सहजबोध एक विशिष्ट दृष्टिकोण से प्राप्त किया हुआ होता है जो कि उस सामाजिक समूह और

सामाजिक वातावरण से प्राप्त वह दृष्टिकोण होता है, जिससे हम समाजीकृत होते हैं। इसलिए यह सहजबोध पूर्वाग्रह से ग्रसित होता है, जिसे छोड़ना आवश्यक है।

प्रश्न 9. समाजशास्त्र अन्य समाज विज्ञानों की अपेक्षा क्या खास बात सिखा सकता है?

उत्तर–अन्य समाज विज्ञानों की अपेक्षा समाजशास्त्र हमें यह सिखा सकता है कि दूसरे हमें किस प्रकार से देखते हैं। इसे 'स्ववाचक' और कभी-कभी 'आत्मवाचक' भी कहा जाता है जो कि हमें अपने बारे में सोचने, अपनी दृष्टि को लगातार अपनी ओर घुमाने की क्षमता प्रदान करता है।

प्रश्न 10. एक तुलनात्मक सामाजिक नक्शा हमारे लिए किस प्रकार से उपयोगी होता है? बताइए।

उत्तर–एक तुलनात्मक सामाजिक नक्शा हमें समाज में हमारे निर्धारित स्थान के बारे में बताता है। यह निश्चित आयुवर्ग में हमारे स्थान के बारे में बता सकता है। यह हमें किसी क्षेत्रीय अथवा भाषाई समुदाय में हमारी स्थिति के बारे में बता सकता है। एक धार्मिक समुदाय, जाति अथवा जनजाति तथा आर्थिक वर्ग के सन्दर्भ में हमारे स्थान तथा स्थिति को बता सकता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न II–

प्रश्न 1. समाजशास्त्री सी. राईट मिल्स के अनुसार समाजशास्त्र हमें क्या-क्या सिखा सकता है?

अथवा

समाजशास्त्र व्यक्तिगत परेशानियों तथा सामाजिक मुद्दों के बीच कड़ी तथा सम्बन्धों का खाका खींचने में हमारी मदद कर सकता है। चर्चा कीजिए।

उत्तर–समाजशास्त्री सी. राईट मिल्स के अनुसार समाजशास्त्र हमारी 'व्यक्तिगत परेशानियों' एवं 'सामाजिक मुद्दों' के बीच की कड़ियों एवं सम्बन्धों को उजागर करने में मदद कर सकता है। व्यक्तिगत परेशानियों से मिल्स का अर्थ है– विभिन्न प्रकार की व्यक्तिगत चिन्तायें, समस्यायें अथवा सरोकार जो सबके होते हैं। उदाहरण के लिए आप अपने भविष्य के बारे में या आपको किस तरह की नौकरी मिलेगी, इस बारे में चिंतित हों लेकिन ये चिंताएं व्यक्तिगत परिप्रेक्ष्य तक ही सीमित हैं। जबकि एक सामाजिक मुद्दा बड़े समूहों से संबंधित होता है, न कि उन एकल व्यक्तियों से जो उन समूहों के सदस्य हैं।

प्रश्न 2. समाजशास्त्र की सीखने की प्रक्रिया कैसे प्रारंभ होती है?

उत्तर–समाजशास्त्र की सीखने की प्रक्रिया भूलने की प्रक्रिया से प्रारंभ होती है। समाजशास्त्र के अध्ययन से पहले ही बालक को समाज का सहज बोध होता है, जो समाज के बारे में अपनी पूर्व धारणाओं पर आधारित होता है। चूंकि समाजशास्त्र समाज के व्यवस्थित और वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित है। इस प्रकार की अध्ययन की प्रक्रिया को सीखने-समझने के लिए अनिवार्य है कि हम उसके इस सहज बोध को 'भूलने' या 'मिटा देने' की भरपूर कोशिश करें। जिस प्रकार किसी बुने हुए स्वेटर को नए सिरे से बुनने के लिए पहले की बुनाई को उधेड़ना पड़ता है, ठीक उसी तरह समाजशास्त्र को सीखने से पहले हमें समाज के बारे में अपनी पूर्व धारणाओं को उधेड़ना या मिटा देना पड़ता है। क्योंकि समाज के बारे में हमारा सहज सामान्य ज्ञान एक सामाजिक वास्तविकता का केवल एक हिस्सा ही दिखलाता है। दूसरे यह हमारे अपने सामाजिक समूह के हितों और मतों की तरफ झुका हुआ होता है।

प्रश्न 3. सहज बोध ज्ञान क्या होता है?

उत्तर–समाज के बारे में या किसी अन्य विषय के बारे में जो ज्ञान कोई व्यक्ति या बच्चा अपने समाज या परिवार में रहकर लेता है, उसे सहज बोध कहते हैं। इस ज्ञान के लिए व्यक्ति को पुस्तकें इत्यादि पढ़ने की आवश्यकता नहीं होती। यह ज्ञान आस-पास के वातावरण से पाया जा सकता है। इस प्रकार 'पहले से ही' या 'अपने आप' प्राप्त किया गया सहज ज्ञान सहज बोध-ज्ञान कहलाता है। लेकिन समाज के बारे में हमारा पहले से प्राप्त 'सामान्य बोध' एक विशिष्ट दृष्टिकोण से प्राप्त किया हुआ होता है जो उस सामाजिक समूह और सामाजिक वातावरण का दृष्टिकोण होता है जिसमें हम समाजीकृत होते हैं।

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 1. समाजशास्त्र तथा अन्य समाज विज्ञानों के अध्ययन में क्या अन्तर है? स्पष्ट कीजिये।

उत्तर–समाजशास्त्र तथा अन्य समाज विज्ञानों के अध्ययन में निम्न अन्तर हैं–

(1) समाज के बारे में सभी को पहले से कुछ न कुछ अवश्य पता होता है जबकि अन्य विषयों को तभी सीखा जा सकता है जबकि उनको सिखाया जाता है।

(2) समाज के बारे में एक बालक को समाजीकरण की प्रक्रिया के अन्तर्गत स्वत: ही ज्ञान प्राप्त हो जाता है; परन्तु अन्य समाज विज्ञानों का ज्ञान औपचारिक या अनौपचारिक रूप से विद्यालय, घर अथवा अन्य सन्दर्भ में सिखाया-पढ़ाया जाता है।